डालर $ 1 रुपया ₹ 86.83

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सदैव सच के साथ..

समाज का साथी

.com

गुरूवार 22 अगस्त-2024

कानपुर नगर से प्रकाशित

कृषि वैज्ञानिकों ने लगाए एक पेड़ माँ के नाम

समाज का साथी

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत की, जिसमें सभी से मांओ के नाम एक पेड़ लगाने का आग्रह किया। इसी क्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान ज़ोन- 3 रावतपुर कानपुर के निर्देशों के अनुपालन में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने एक एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए उसकी पूरी देख- रेख करने का भी प्रण लिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है।

ज्ञात हो की केंद्र के 10 वैज्ञानिक/ कर्मचारियों ने पीपल, नीम, बरगद इत्यादि के पेड़ लगाए। पेड़ लगाने के लाभ के बारे में कर्मचारियों को जानकारी देते डॉ राजेश राय ने कहा पेड़ शहर में हवा के तापमान को कम करने और छाया प्रदान करने में मदद करते हैं। वे प्रदूषकों को अवशोषित करके, कणों को रोककर, ऑक्सीजन जारी करके, ओजोन के स्तर को कम करके और मिट्टी के कटाव को कम करके हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए भी जाने जाते हैं। इसलिए सभी को कम से कम एक पेड़ लगा कर उसकी देख रेख कर उसे बड़ा करना चाहिए ताकि जलवायु के परिवर्तन और उससे पारिस्थिति तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यून किया जा सके।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 22 अगस्त • 2024

वैज्ञानिकों ने लगाये मां के नाम पौधे देखरेख का लिया संकल्प

कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में पौधारोपण करते वैज्ञानिक।

कानपुर (एसएनबी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की, जिसमें सभी से मां के नाम एक पेड़ लगाने का आग्रह किया था। इसी क्रम में बुधवार को सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने एक-एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए उनकी पूरी देख-रेख करने का संकल्प लिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समाज में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है।

केंद्र के 10 वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने पीपल, नीम, बरगद इत्यादि के पेड़ लगाये। इस मौके पर डॉ. राजेश राय ने बताया कि पेड़ शहर में हवा के ताप को कम करने और छाया प्रदान करने में मदद करते हैं। वे प्रदूषकों को अवशोषित करके, कणों को रोककर, ऑक्सीजन जारी करके, ओजोन के स्तर को कम करके और मिट्टी के कटाव को कम करके हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए भी जाने जाते हैं।

इसलिए सभी को कम से कम एक पेड़ लगाकर उसकी देखरेख कर उसे बड़ा करना चाहिए ताकि जलवायु के परिवर्तन और उससे पारिस्थितिकी तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 53 कानपुर, गुरुवार 22 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि वैज्ञानिकों ने लगाए एक पेड़ माँ के नाम

कानपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान की शुरुआत की, जिसमें सभी से मांओ के नाम एक पेड़ लगाने का आग्रह किया7 इसी क्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान ज़ोन- 3 रावतपुर कानपुर के निर्देशों के अनुपालन में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने एक एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए उसकी पूरी देख- रेख करने का भी प्रण लिया7 इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है। ज्ञात हो की केंद्र के 10 वैज्ञानिक/ कर्मचारियों ने पीपल, नीम, बरगद इत्यादि के पेड़ लगाए7 पेड़ लगाने के लाभ के बारे में कर्मचारियों को जानकारी देते डॉ राजेश राय ने कहा पेड़ शहर में हवा के तापमान को कम करने और छाया प्रदान करने में मदद करते हैं। वे प्रदूषकों को अवशोषित करके, कणों को रोककर, ऑक्सीजन जारी करके, ओजोन के स्तर को कम करके और मिट्टी के कटाव को कम करके हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए भी जाने जाते हैं। इसलिए सभी को कम से कम एक पेड़ लगा कर उसकी देख रेख कर उसे बड़ा करना चाहिए ताकि जलवायु के परिवर्तन और उससे पारिस्थिति तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यून किया जा सके।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

क-234 गुरूवार, 22 अगस्त 2024 लखनऊ व एटा से प्रकाशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4 मूल्य

कृषि वैज्ञानिकों ने लगाए एक पेड़ माँ के नाम

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान की शुरुआत की, जिसमें सभी से मांओ के नाम एक पेड़ लगाने का आग्रह किया। इसी क्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान ज़ोन- 3 रावतपुर कानपुर के निर्देशों के अनुपालन में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने एक एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए उसकी पूरी देख- रेख करने का भी प्रण लिया7 इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना

एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है। ज्ञात हो की केंद्र के 10 वैज्ञानिक/ कर्मचारियों ने पीपल, नीम, बरगद इत्यादि के पेड़ लगाए पेड़ लगाने के लाभ के बारे में कर्मचारियों को जानकारी देते डॉ राजेश राय ने कहा पेड़ शहर में हवा के तापमान को कम करने और छाया प्रदान करने में मदद करते हैं। वे प्रदूषकों को अवशोषित करके, कणों को रोककर, ऑक्सीजन जारी करके, ओजोन के स्तर को कम करके और मिट्टी के कटाव को कम करके हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए भी जाने जाते हैं। इसलिए सभी को कम से कम एक पेड़ लगा कर उसकी देख रेख कर उसे बड़ा करना चाहिए ताकि जलवायु के परिवर्तन और उससे पारिस्थिति तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यून किया जा सके।

अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

2, पृष्ठः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com गुरुवार, 22 अगस्त 2024 शक सम्वत् 1946, भाद्रपद कृष्ण प

कवि कोना
-सुनहरी लाल 'तु

किताबें ग़र

न जाने कब खड़े
अभी तक चाँद प
किताबों ने हमें आ
किताबें ग़र न हो

कृषि वैज्ञानिकों ने लगाए एक पेड़ मां के नाम

कानपुर (अमर भारती)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत की, जिसमें सभी से मांओ के नाम एक पेड़ लगाने का आग्रह किय। इसी क्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान ज़ोन- 3 रावतपुर कानपुर के निर्देशों के अनुपालन में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने एक एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए उसकी पूरी देख- रेख करने का भी प्रण लिया। ज्ञात हो की केंद्र के 10 वैज्ञानिक/ कर्मचारियों ने पीपल, नीम, बरगद इत्यादि के पेड़ लगाए। इसलिए सभी को कम से कम एक पेड़ लगा कर उसकी देख रेख कर उसे बड़ा करना चाहिए ताकि जलवायु के परिवर्तन और उससे परिस्थिति तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यून किया जा सके।

न से यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया स्पष्टीकरण एवं सुझाव समूह सम्पादक की ईमेल- editor@amarbharti.c

कृषि वैज्ञानिकों ने लगाए एक पेड़ माँ के नाम

आज़ 22/08/2024

कानपुर, 21 अगस्त। पीएम नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत की, जिसमें सभी से मांओ के नाम एक पेड़ लगाने का आग्रह किया। इसी क्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान ज़ोन- 3 रावतपुर कानपुर के निर्देशों के अनुपालन में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने एक एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए उसकी पूरी देखरेख करने का भी प्रण लिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है। केंद्र के 10 वैज्ञानिक/ कर्मचारियों ने पीपल, नीम, बरगद इत्यादि के पेड़ लगाए7 पेड़ लगाने के लाभ के बारे में कर्मचारियों को जानकारी देते डॉ राजेश राय ने कहा पेड़ शहर में हवा के तापमान को कम करने और छाया प्रदान करने में मदद करते हैं। वे प्रदूषकों को अवशोषित करके, कणों को रोककर, ऑक्सीजन जारी करके, ओजोन के स्तर को कम करके और मिट्टी के कटाव को कम करके हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए भी जाने जाते हैं। इसलिए सभी को कम से कम एक पेड़ लगा कर उसकी देख रेख कर उसे बड़ा करना चाहिए ताकि जलवायु के परिवर्तन और उससे पारिस्थिति तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यून किया जा सके।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

साथ समाज भी सुधरे, यौन अपराधों पर लगाम लगाने के लिए उठाने होंगे कड़े कदम

अनन्या पांडे को दूसरी बार लॉन्च क

अंक :201 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , गुरुवार 22 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08

कृषि वैज्ञानिकों ने लगाए एक पेड़ माँ के नाम

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरूआत की, जिसमें सभी से मांओ के नाम एक पेड़ लगाने का आग्रह कियो इसी क्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान जोन- 3 रावतपुर कानपुर के निदेशों के अनुपालन में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने एक एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए उसकी पूरी देख- रेख करने का भी प्रण लियो इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है। ज्ञात हो की केंद्र के 10 वैज्ञानिक/ कर्मचारियों ने पीपल, नीम, बरगद इत्यादि के पेड़ लगाऐ पेड़ लगाने के लाभ के बारे में कर्मचारियों को जानकारी देते डॉ राजेश राय ने कहा पेड़ शहर में हवा के तापमान को कम करने और छाया प्रदान करने में मदद करते हैं। वे प्रदूषकों को अवशोषित करके, कणों को रोककर, ऑक्सीजन जारी करके, ओजोन के स्तर को कम करके और

मिट्टी के कटाव को कम करके हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए भी जाने जाते हैं।इसलिए सभी को कम से कम एक पेड़ लगा कर उसकी देख रेख कर उसे बड़ा करना चाहिए ताकि जलवायु के परिवर्तन और उससे पारिस्थिति तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यून किया जा सके।